महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ

राष्ट्रीय सेवा योजना 2021-22

महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखनऊ में आज दिंनाक **23/01/2022** को राष्ट्रीय सेवा योजना के **अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती** पर एक **ऑनलाइन संगोष्ठी** का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आरम्भ में **प्राचार्य प्रो0 सुमन गुप्ता** ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्ष 2022 में भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई जा रही है । इस उपलक्ष्य पर केंद्र सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है।

डॉ सनोबर हैदर (असि0प्रो0 इतिहास) ने भी सुभाष चंद्र बोस जी के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि 1938 में नेताजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए और एक राष्ट्रीय योजना समिति का गठन किया ।उन्होंने कट्टरपंथी तत्वों को रैली करने की उम्मीद में फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। 21 अक्टूबर1943 को सुभाष चंद्र बोस ने एक अनंतिम स्वतंत्र भारत सरकार की और आजाद हिंद फौज की स्थापना की ।

इसी क्रम में **डॉ श्वेता मिश्रा** (असि0प्रो0 अंग्रेज़ी) ने बताया कि किस प्रकार कलकत्ता में नजरबन्द नेता जी अपने भतीजे शिशिर की मदद से 1941 में भाग निकले और सोवियत संघ होते हुए, जर्मनी पहुँच गए, जहाँ वे एडोल्फ हिटलर से मिले.

श्री अभिषेक भरद्वाज (असि0प्रो0 अंग्रेज़ी) ने भी बताया कि वर्ष 1943 में बर्लिन में नेताजी ने आजाद हिंद रेडियो और फ्री इंडिया सेंट्रल की स्थापना की और पहली बार नेता जी ने ही महात्मा गांधी जी को राष्ट्रपिता कह कर संबोधित किया था। तथा नेताजी द्वारा कहे गये प्रसिद्ध कथन 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा' इत्यादि के विषय में भी छात्र छात्राओं को अवगत कराया ।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारियों **डॉ सरिता सिंह** तथा **डॉ मधुमिता गुप्ता** द्वारा सभी वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

डॉ0 सरिता सिंह प्राचार्य

डॉ0 मधुमिता गुप्ता

(राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी)